

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

वेदशास्त्र प्रवचन कनिष्ठ सहायक

आदर्शप्रश्न पत्र - 2023-24

कक्षा – नवमी

पूर्णाङ्कः 30

CLASS: IX

MARKS: 30

विषय – वेद -शास्त्र प्रवचन

समयः एक होरा

SUB: Veda shastra pravachan

TIME ALLOWED: -1 hour

छात्र का नाम अनुक्रमाङ्कः.....

दिनाङ्कः..... वि. सं. सं.....-..... निरीक्षक हस्ताक्षर. Invigilator.....

	क	ख	ग	घ	
प्रासाङ्क	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>
	05	05	10	10	30

परीक्षक हस्ताक्षर . Examiner.....

बहु चयनात्मक प्रश्न -10

(क) अधोलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही उत्तर वाले विकल्प को चुनिए-

05X01 = 05

.1 वेद शब्द का सम्यक् अर्थ क्या है?

(क) विद् -ज्ञाने

(ख) गम्लृगतौ-

(ग) पठ्-पठने

(घ) विद्-विचारणे

.2 'साम' शब्द का अर्थ क्या है?

(क) पद्य

(ख) गान

(ग) गद्य

(घ) अन्य

.3 सर्वप्राचीन वेद कौनसा है?

- | | | |
|------------|--------------|--------------------------|
| (क) ऋग्वेद | (ख) यजुर्वेद | <input type="checkbox"/> |
| (ग) सामवेद | (घ) अथर्ववेद | <input type="checkbox"/> |
- .4 “ईश्वरेण सर्वम् आच्छादितम्” यह भाव किस उपनिषत् से प्राप्त होता है?
- | | | |
|----------------------|---------------------|--------------------------|
| (क) मुण्डकोपनिषद् | (ख) केनोपनिषद् | <input type="checkbox"/> |
| (ग) छान्दोग्योपनिषद् | (घ) ईशावास्योपनिषद् | <input type="checkbox"/> |
- .5 “अपौरुषेयं वाक्यं वेद ”:इस वाक्य में अपौरुषेय शब्द का भाव क्या है?
- | | | |
|------------------|-----------------------------|--------------------------|
| (क) पुरुष द्वारा | (ख) मानव द्वारा | <input type="checkbox"/> |
| (ग) अन्य द्वारा | (घ) परमपिता परमेश्वर द्वारा | <input type="checkbox"/> |

(क-१) निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए-

05X01 = 05

- पतञ्जलिमहाभाष्य के अनुसार सामवेद की ----- शाखायें हैं। (1000 / 900 / 700)
- शांखायनब्राह्मण का अपर नाम ----- ब्राह्मण है। (कौशीतकि/आर्षेय/अद्भुत)
- श्रीमद्भगवद्गीता में ----- अध्याय हैं। (13 / 14 / 18)
- गायत्रीछन्द में ----- अक्षर होते हैं। (21 / 32 / 24)
- "श्रीकृष्णजन्म कथा" यह ----- पुराण में वर्णित है। (विष्णु / भागवत / देवी)

(ख) अधोलिखित अंशों में से सत्य/असत्य विकल्प को चुनिए-

10X01 = 10

- “यो ब्रह्माणं विदधातिपूर्वम्” यह श्वेताश्वतरोपनिषत् का वाक्य है। सत्य/असत्य
- वेद अपौरुषेय एवं नित्य है। सत्य/असत्य
- ऋग्वेद का उपवेद धनुर्वेद है। सत्य/असत्य
- अपने भावों को शब्द-ध्वनि के माध्यम से प्रकट करने को भाषा कहते हैं। सत्य/असत्य
- भाषा प्रतीकात्मक नहीं है। सत्य/असत्य
- उपसर्गों का प्रयोग क्रिया से पूर्व नहीं होता है। सत्य/असत्य
- स्वरवर्ण के साथ स्वरवर्ण के मिलने पर उसे विसर्गसंधि कहते हैं। सत्य/असत्य
- क्रिया से साक्षात् सम्बन्ध रखनेवाले विभक्तियुक्त पदों को कारक कहते हैं। सत्य/असत्य
- ‘स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्’ यह ऐतरेयोपनिषत् का वाक्य है। सत्य/असत्य
- यक्ष-नचिकेता संवाद कठोपनिषत् मे प्राप्त है। सत्य/असत्य

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उचित अंशों को सुमेलित कीजिए-

10X01 = 10

- | | |
|-------------------------------------|-----------------|
| 1. कौशिकगृह्यसूत्रः | I. सामवेदस्य |
| 2. अश्वलायनगृह्यसूत्रः | II. यजुर्वेदस्य |
| 3. खादिरगृह्यसूत्रः | III. ऋग्वेदस्य |
| 4. पारस्करगृह्यसूत्रः | IV. अथर्ववेदस्य |
| 5. ऋग्वेदः | V. उद्गाता |
| 6. यजुर्वेदः | VI. ब्रह्मा |
| 7. सामवेदः | VII. होता |
| 8. अथर्ववेदः | VIII. अध्वर्युः |
| 9. पुराणाः | IX. सांख्ययोगः |
| 10. श्रीमद्भगवद्गीता द्वितीयोध्यायः | X. अष्टादश |

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

.....समाप्त.....